>

Title: Need to ensure safety and security of journalists in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): देश में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की आवश्यकता है। पत्रकारिता भारतीय लोकतंत्र का एक अंग है। पत्रकारों को अपने परिवार को लेकर गुजर बसर कैसे करें, यह सुनिश्चित होना चाहिए। पत्रकार सुरक्षा कानून संसद में पास होना चाहिए। पत्रकारों की जान माल की सुरक्षा हो। हमलावरों पर गैर-जमानती धाराओं में मुकदमा दर्ज हो। इसे शासकीय कार्यों में बाधा के समान अपराध समझा जाना चाहिए। किसी भी घटना की जांच की समय सीमा सुनिश्चित होनी चाहिए। पत्रकारों के उत्पीड़न की जांच हेतु उच्च स्तरीय शासकीय समिति का गठन करना चाहिए। समिति में शासकीय समिति के अलावा पत्रकारों को शामिल किया जाना चाहिए। केन्द्र सरकार तत्काल संसद में बिल लाकर सुरक्षा की गारंटी लें।